

**GOSSNER EVANGELICAL – LUTHERAN CHURCH
IN CHOTANAGPUR AND ASSAM**

GELC ARCHIVE

Signature: **GELC-A _ 001 _ 0895**

Classification:

Original File No:

Title

KINKEL ILAKA & KINKEL SYNOD

Volume:

Running from year: 1924

till year: 1961

Content:

- **Matters related to Mission Schools.**
- **Matters related to Church administration.**

KINKEL ILAKA
SCHOOLS

✓

THE
"T. C."
FILING SYSTEM.

SOLE PROPRIETORS:

TRAILL & Co., LD., CALCUTTA.

Particulars.

Latent file

Q2

श्री. मान सिनोद संचालक किनहेल सिनोद
महाशय.

ता. २४-१०-६१ के खुदोयेनी मिटिंग में
विषय मध्य के दिने गये अदेश जो जटायेनी को जहां रुक
पाद्री तथा बाहर प्रचारक काम करते हैं रुक रुकाके का पुबन्ध
देने के अनुसार ता. २-११-६१ को जटायेनी में इलाका पंचो
और सिनोद पंचो का चुनाव इस प्रकार किया गया।

- १- पाद्री - रज. कुब्ज - इलाका चेयरमैन
- २- श्री. पी. सी. बाप्पा. " सेक्रेटरी
- ३- प्र० जे. के. के. दा " रजजाननी
- ४- प्र० बी. दुर्गादुर्गा " पंच
- ५- प्र० जोहन दुर्गादुर्गा " "
- ६- प्र० इमादुल्लाह सोरेगें " "
- ७- प्र० सुबेमान के. के. दा " "
- ८- श्री. इलाहक दुर्गा " "
- ९- श्री. जोहन दुर्गादुर्गा " "
- १०- श्री. जुलन देरे " "

सिनोद मेम्बर

- १- पाद्री - रज. कुब्ज
- २- प्र० बी. दुर्गादुर्गा
- ३- श्री. पी. सी. बाप्पा.

इलाका चेयरमैन

Rev. H. Kurlha

13/11/61

आपका विश्वास

इलाका पंचरी

श्री. प्रेमचन्द बाप्पा.

ता. १३-११-६१

नोट — सूचनार्थ सिनोद के हरकेसि चेयरमैन को उपेक्षित।

पंचरी - प्रेमचन्द बाप्पा.

ता. १३-११-६१

श्री मान् सिनोद संचालक किनकेल सिनोद

आप को मेरा यीशु सहाय ।

महाशय,

आप को विदित होवे कि श्री युसफ लकड़ा को नजोबा गल अक्टोबर माह से ही जवादीली में गिरा आता है । अब वह जवादीली पेरिश से अपनी सेवकाई चाहता है । जिस की सूचना २२-१०-६१ को ही कोनजोबा मंडली चैयरमैन को दे चुके हैं तथा १२-११-६१ को मेरे पास एक पत्र लिखे हैं जिस में वे मुझ को बुलाये हैं ।

रविवे दुस्र मंडी को रोजना और बचाना मंडली पालक का विशेष कर्तव्य है ।

इस लिये निवेदन है कि आप श्री युसफ लकड़ा को शान्त करें, तथा कोनजोबा मंडली के संग एक गिरा में सराधना करने की सुविधा दे कर उस की सूचना मेरे पास शीघ्र भेजने की कृपा करें ।

यदि ऐसा नहीं हो सकेगा तो १ली अक्टोबर के पहले मुझे किसी बात की सूचना देवे ।

यदि १ली अक्टोबर तक में कोई सूचना मुझे नहीं मिलेगी तो जवादीली इलाका से तब तक श्री युसफ लकड़ा की सेवकाई होती रहेगी जब तक श्री युसफ लकड़ा सिनोद, पेरिश या मंडली के द्वारा शान्त नहीं किया जाते हैं ।

आप का विश्वास-

Rev. H. Kullu.

Elaka Chairman Jafatoli

17/11/61

नोट - इस पत्र के साथ श्री युसफ लकड़ा के दो पत्रों की सत्य प्रतिलिपि संलग्न कर के भेजी जा रही है ।

आप का विश्वास-

H. Kullu.

18/11/61

(सत्य प्रतिनिधि)

मान्यवर

जटाहीली पाड़ी लाख आप को योद्धा सहाय।
हाल समाचार कुछ खराब ही हैं इसलिये गिरजा भी
जाना मुस्किल हो गया है -

आप को जनाया जाता है कि १ ली अडवेट का
गीत का अभ्यास और उस रोज आप को गिरजा का भार आप
ही पर है, और उस रोज के लिये बदना जोर प्रचारक को
साक्षात् रख दो पंच और बाघडेग के प्रचारक को पंच को
जानती दीजिये।

आप का विवेकवादी

युसफ लकड़ा

१२-११-६१

(सत्य प्रतिलिपि)

सूचना पत्र

श्रीमान

कोन जो बा मंडली के चेयरमैन

कोन जो बा ।

आप को जनाया जाता है कि गरीबी गिरा जटायेली पेरिश
दिसम्बर १ ली एडवेंट से शुरू होगी ।

नया जन्म मसीही बिश्वास का एक सिद्धान्त है और
महान केवल एक सिद्धान्त है परन्तु एक अनुभाव है जो
हर एक मसीही प्रभु यीशु मसीह पर बिश्वास करने से पाता है ।

जोर्ज जोन में मेरा नया जन्म नहीं हुआ है ।

१२४ साली बरगी में अटल है ।

पक बता है सत परमेश्वर ।

कोन. तेरे आभने हरे । का लुफ रोकता है ।

आप का

पुसफ लेकड़ा

२२-१०-६१

हिन्दुस्थान, बर्मा और लंका के लिये प्रार्थना का दिन ।

इतवार, ६ दिसम्बर, १९३६ ।

अपनी भारी जवाबदेही को समझते हुए, हम कलीसियाओं को यह नेवता देते हैं कि इतवार तारीख ६ दिसम्बर, हिन्दुस्थान, बर्मा और लंका में प्रार्थना का दिन मनाया जावे । प्रार्थना करना हमारा सर्वदा कर्त्तव्य है क्योंकि मनुष्य को लगातार प्रार्थना में लगे रहना चाहिये । कभी कभी सम्मिलित प्रार्थना करने की विशेष आवश्यकता रहती है और हम यह समझते हैं कि वह आजकल का समय है ।

आजकल का समय "खुला द्वार" है । पूरे देश में लोगों में खोज का मन है और वे मसीही सन्देश को सुनने और पढ़ने में अधिक मन लगाते हैं । पावल के शब्दों में हिन्दुस्थान की कलीसिया सच्चाई से यह कह सकती है कि मेरे लिये एक बड़ा और उपयोगी द्वार खुला है और विरोधी बहुत से हैं (१ करि० १६:९) । इस द्वार को हमने स्वयं नहीं खोला है । यह पवित्रात्मा के द्वारा खोला गया है और हमें यह आवश्यक है कि हम नम्रता, पश्चाताप और आशा सहित परमेश्वर से प्रार्थना करें कि वह हमारी अगुवाई करे । हमारी प्रार्थना निरर्थक न होगी क्योंकि परमेश्वर का काम हमें सत्य की ओर ले जाना है । हमें न केवल ठीक मन की आवश्यकता है परन्तु हमारे काम करने की रीति को भी उस सुसमाचार के समान होना आवश्यक है जिसका हम प्रचार करते हैं ।

आजकल का समय कटनी का समय है । "अपनी आँखें उठाकर खेतों को देखो कि वे कटनी के लिये एक चुके हैं" (योहन ४:३५) । मुक्तिदाता के इन शब्दों से हिन्दुस्थान, बर्मा और लंका की आत्मिक दशा का वर्णन हो सकता है । कई जातियों में से और विशेषकर दलित कहाई जानेवाली जातियों में से लोग धर्म खोजी बनकर मसीही शिक्षा ग्रहण करते और अपने आप मसीही कलीसिया में सम्भागी होते हैं । यह परमेश्वर को हार्दिक धन्यवाद देने का समय है और सब मसीही मगडलियों को चित्ताने का समय है कि वे उदार चित्त से ऐसे लोगों का स्वागत करें

और बुद्धिमानी से मसीह में इन बालकों को पालें। कटनी के लिये बनिहार आवश्यक हैं। यह प्रार्थना का दिन सब मसीहियों के लिये अपने को जांचने का दिन होवे। परमेश्वर आज भी अपने लोगों से बातें करता है। बहुत से लोग उसकी बुलाहट सुनें—कि “मैं किसको भेजूं और हमारी ओर से कौन जायगा”, और यह उत्तर दें कि “मैं हाज़िर हूँ मुझे भेज” (यशायाह ६:८)। इस होनेवाली कटनी में मसीही एकता होने की गम्भीर पुकार सुनाई देती है। भिन्न भिन्न मसीही समाजों में अयोग्य प्रतिद्वन्द्व नहीं होना चाहिये। यह एक पेसा समय है कि जब सब कलीसियाओं को एक साथ मिलकर काम करने का प्रबन्ध करना चाहिये और नये इरादे से यह प्रयत्न करना चाहिये कि शान्ति के साथ हम सब एक ही मन के हों।

आजकल का समय आशा का समय है। हिन्दुस्थान और बर्मा का नया राज-शासन-प्रबन्ध १९३७ से आरम्भ हो जावेगा। उसके सम्बन्ध में हमारा कितना ही मतभेद क्यों न हो, परन्तु हम सब इस बात से सहमत हैं कि इससे अपना राज आप चलाने का नया युग आरम्भ होवेगा। इस कारण सब अच्छे नागरिकों को यह सुअवसर मिला है कि वे अपने देश की सहायता करने में मिल जावें और हर प्रकार से उसकी सेवा करें। मसीहियों को अपनी मातृभूमि का प्रेम दिखाने और दूसरों की भलाई के लिये काम करने का अवसर है। उन्हें यह भी स्मरण करना चाहिये कि “यदि घर को यहोवा न बनाए तो उसके बनानेहारों का परिश्रम व्यर्थ होगा” (भजन १२७:१)। कलीसिया में नई आशा उत्पन्न हो गई है। सुसमाचार प्रचार करने में आगे बढ़ने के कार्य-क्रम को कलीसिया ने अपनाया है जिससे नई आशा उत्पन्न हो गई है। सामूहिक आन्दोलन के अवलोकन से जो शिक्षा प्राप्त हुई उसका खूब अध्ययन किया गया और अब कई फलहीन समझे जानेवाले क्षेत्रों में फल दिखाई देने लगे हैं। देश और कलीसिया की इन भारी आशाओं की पूर्ति के लिये हमें लगातार प्रार्थना करना चाहिये।

हम भूल न जावें कि हमारे शत्रु बहुत और बलवान हैं। बुराई जीवित और घमण्ड-युक्त है। मनुष्य की व्यक्तिगत और सामूहिक इच्छा परमेश्वर की भली और ग्रहण करने योग्य इच्छा का विरोध करती है। अन्ताराष्ट्रीय स्थिति अन्धकारमय है। सब स्थानों में भय के कारण लोगों का मन बैठा जाता है और अपनी निराशता में वे युद्ध की तैयारी कर रहे हैं। हमारे आसपास ही लोगों को अपने मनों को जांचना है। सम्प्रदायवाद जोर पकड़ रहा है, मसीही कलीसिया में भी जात-पात का

भाव पाया जाता है, पाप और फूट के कारण कई स्थानों में कलीसिया सुसमाचार प्रचार के काम में आगे नहीं बढ़ती है। परन्तु जहां पाप अधिक होता है वहां अनुग्रह भी बहुत होता है। ये सब बातें अर्थात् खुला हुआ द्वार, होनेवाली कटनी और बहुत से बैरी, हमें यह बताती हैं कि हम परमेश्वर के समीप जावें। इन सब बातों को पूरा करने के योग्य कौन बस है? केवल एक ही उत्तर हो सकता है परमेश्वर की शक्ति ही बस है। वह हमें अपने पास बुलाता है कि वह हमारी विनती और समझ से कहीं अधिक काम कर सके (इफि० ३:२०)। इसी विश्वास से पूरे देश में हम सब मिलकर उसका धन्यवाद करें और उससे प्रार्थना करें।

प्रार्थना के दिन को किस प्रकार मनावें।

१. इस दिन के विषय कलीसिया को कम से कम एक सप्ताह पहिले सूचना दी जावे। लोग उसकी तैयारी के लिये उसकाये जावें कि उसके लिये वे अपने आप अकेले और अपने कुटुम्ब के साथ प्रार्थना करें।
२. उस दिन आराधना में अधिक समय प्रार्थना में लगाया जावे। यदि उपदेश दिया जावे तो इसी सम्बन्ध में होवे और उसका उद्देश्य यह होवे कि उसके द्वारा लोग समझ, उत्साह और विश्वास के साथ प्रार्थना करें।
३. कलीसिया की आवश्यकता के समान प्रार्थना हों। बताये हुए सब विषयों पर प्रार्थना करना आवश्यक नहीं है। गांव के गरीब मसीहियों की रुचि भी प्रार्थना के अनेक विषयों की ओर बढ़ाना चाहिये।
४. लोगों को उकसाना चाहिये कि नियत दिन का जितना समय हो सके उतना कुटुम्ब में और एकान्त में प्रार्थना करने में लगाया जावे।
५. हम आपस में एक-दूसरे को प्रार्थना के विषय में चिताते रहें और अपनी प्रार्थना के समान जीवन व्यतीत करें कि परमेश्वर अपने उद्देश्य के पूरा करने में हमें उपयोग में ला सके।

धन्यवाद ।

हम धन्यवाद करें—

कि पवित्रात्मा का काम हमारे बीच में दिखाई देता है और कि बहुत समूहों में धर्म-खोज का मन उत्पन्न हो गया है ।

उन सब लोगों के लिये जो व्यतीत वर्ष में मसीही कलीसिया में सम्भागी किये गये ।

कि सुसमाचार प्रचार करने के लिये आगे बढ़ने की बुलाहट को कलीसियाओं ने अपनाया है और कि इसके प्रयत्न में अनेक आशीर्ष मिलीं ।

कि हिन्दुस्थान में बहुत धार्मिक स्वतन्त्रता है, कि मसीहियों को अपने शब्द, कार्य और नमूने से मसीह के सुसमाचार की सत्यता सिद्ध करने के लिये साक्षी देने का अवसर मिलता है ।

कि नेशनल और प्रान्तीय मसीही कौंसिलों के द्वारा मसीही कार्यो में सुसमाचार फैलाने और एक साथ काम करने का मन बढ़ता जाता है ।

पापांगीकार ।

हम पश्चाताप के साथ अंगीकार करें—

पवित्रात्मा के काम को पहिचानने की अपनी अयोग्यता और अपने मन के अन्धेपन के लिये ।

अपने जीवन में मसीह के सुसमाचार की शक्ति की साक्षी देने के उत्साह की कमी के लिये ।

भरपूरी का जीवन प्राप्त करने के लिये मसीही कलीसिया से सहायता पाने की आशा करनेवालों के सम्बन्ध में यह कहने के लिये कि इसमें उनका कोई अयोग्य आशय है ।

कुटुम्बी आराधना में अपनी लापरवाही के लिये और कुटुम्ब और मण्डली में मसीही संगति रखने में अपनी असफलता के लिये ।

अपनी स्वार्थी इच्छा के अनेक पापों के लिये जिससे हम पवित्रात्मा से दूर रहते हैं और परमेश्वर के काम में बाधा पड़ती है ।

जिस मसीही कलीसिया के हम सदस्य हैं उसको ईमानदारी और उदारता के साथ सहायता न देने के लिये ।

प्रार्थना ।

हम प्रार्थना करें—

कि परमेश्वर हिन्दुस्थान, बर्मा और लंका की अपनी कलीसिया के साथ उदार होवे; कि कलीसिया के भिन्न भिन्न भागों में आपस के मेल के लिये जो प्रयत्न किये जाते हैं उनपर उसकी आशीष होवे; कि आत्माओं को जीतने के लिये वह कलीसिया को बुद्धि देवे ।

कि सुसमाचार प्रचार करने के लिये कलीसिया नया इरादा बांधे; कि प्रत्येक मसीही परमेश्वर के साथ साथ काम करनेवाला बने ।

कि भरपूरी का जीवन पाने के लिये कलीसिया से बाहर जो लोग प्रयत्न कर रहे हैं उनकी अगुवाई पवित्रात्मा के द्वारा की जावे और कि कलीसिया उन्हें स्वीकार करने के लिये तैयार हो जावे ।

कि हिन्दुस्थान और बर्मा के इतिहास के इस महत्वपूर्ण समय में परमेश्वर की आशीष उनपर हो; कि वायसराय, प्रदेशों के गवर्नर और जनता के नेताओं को बुद्धि और ठीक सलाह मिले; कि नये राज-प्रबन्ध की नव धर्म और शान्ति पर डाली जावे ।

कि चर्च कौंसिल और मिशन बोर्डों को आवश्यक सहायता मिले कि जिनके सन्मुख परिमित साधन रहते हुए नये अवसर उपस्थित हुए हैं; कि सुसमाचार फैलाने की जिम्मेदारी कलीसिया के लेमेनों को दी जावे ।

कि परमेश्वर की आशीष सब मसीही कामों पर अर्थात् सुसमाचार प्रचार, शिक्षा, औषधालय और सामाजिक कामों पर होवे कि उनके प्रभाव से लोग उस सत्यता को जानें जो मसीह में है ।

कि हिन्दुस्थान में मसीही मेडिकल कालेज स्थापित करने का जो प्रस्ताव हुआ है उसके लिये परमेश्वर अपने सेवकों पर अपनी इच्छा प्रगट करे ।

कि निम्नलिखित मीटिंगों पर परमेश्वर की आशीष आवे—

(अ) नेशनल क्रिश्चियन कौंसिल मीटिंग पर जो नागपुर में २६ दिसम्बर से १ जनवरी तक होनेवाली है ।

(ब) वार्ड० एम० सी० ए० वर्ल्ड कन्वेंशन पर जो मैसूर में २ जनवरी से १० जनवरी, १९३७ को होनेवाली है ।

(स) संसार की मिशनरी कान्फ्रेंस पर जो हांगजो (चीन) में सितम्बर १९३८ को होनेवाली है कि वहां सब प्रबन्ध पवित्रात्मा की संगति से हो ।

कि डाक्टर जान आर० माट की हिन्दुस्थान में आने के द्वारा राष्ट्रीय और अन्ताराष्ट्रीय मसीही संगति में मज़बूती पैदा हो ।

कि नेशनल और प्राविन्शियल क्रिश्चियन कौंसिलों को काफी सहायता मिले और कि उनके द्वारा जो प्रबन्ध होनेवाले हैं उनसे कलीसियाओं, मिशनों और कौंसिलों का पारस्परिक सम्बन्ध बनिष्ट होवे ।

नोट— नेशनल क्रिश्चियन कौंसिल के काम में पैसों की बहुत घटी है । यदि प्रार्थना के दिन उसकी सहायता के लिये कलीसियाओं में चन्दा लिया जावे तो कौंसिल के संचालक उसे धन्यवाद सहित प्रह्ला करेंगे । व्यतीत वर्ष १९३५ में उसे इस प्रकार ४६६ रुपये से सहायता मिली थी । हम आशा करते हैं कि इस वर्ष लोग और अधिक उदारता से देंगे ।

हिन्दुस्थान, बर्मा और सीलोन की
नेशनल क्रिश्चियन कौंसिल की ओर से

नेल्सन स्केर, }
नागपुर । }

वी० एस० अज़राया (सभापति) ।

जे० ज़ेड० हाज }
पी० ओ० फिलिप } सेक्रेटरी ।

No. 1678-86.

Ranchi.

October 12, 1936.

Rev. ... Johan Kupier

.....
Kimpal

Dear Johan Balan

Dear

Ap ke malum howe ki Sarkar ne dehat ke jinte schoolen ka school ghar nahin hai aur jinke pas school ke kuchh sangrih nahin hain unko " C " class men hisab kiya hai. Is school chehe utha diye jaenge athwa we dusre schoolen ke sath jo nikat men hain mila diye jaenge. So ap ke yah khabar diya jata hai ki ap ke ilake men jin 2 schoolen ke school ghar nahin hain aur jinke pas sikhane ke kuchh sangrih nahin hain unko kahiye ki we school ghar banawe aur sikhane ke sangrihon ko rakhe nahin to we utha diye jaenge.

Age shubh,



Head Supervisor,
Lutheran Schools, Ranchi.

No. 1524-34

Ranchi.

September 16, 1936.

Rev. M. Schiebe

Chairman, Pirkul Ilaka.

Dear Mr. Schiebe,

Dekha jata hai ki gaon ke stipen
diary schoolon ke quarterly report bhejne mein bahut gasil hota
hai. Ap log kahi us report ko nahin bhejte hain. So arji hai ki
yah report susamay par bheja jaye aur is ke bare pa ap apne sangi
padri Babu logon ko bhi kahiye ki wo bhi apne parish ke schoolon
ke quarterly report barabar bheja kare.

Agre shukh.

V. S. S.

Head Supervisor,
Lutheran Schools, Ranchi.

No. 1968-73

Ranchi.
November 21, 1935.

The Chairman,
..... ~~Ilaka~~ Ilaka.

Dear ~~Ilaka~~ *Ilaka*,

Ap ko malum hove ki Govt. hukum deti hai ki hamare M.E. schoolon ka kharach grant memorandum ke anusar awashya hove. Abhi ham log ussa bahut kam kharach kar rahe hain. Jodi kharach kam hovega to Govt. grant chahi to ghata diya jaega chahi to bilkul band kiya jaega. So jisten aisa na hove G.C. ne phasla kiya ki jin 2 ilakon men M.E. school hai wo ilake apne M.E. ke liye chahraye huve se Rs 5/- mahwari adhik dewe. Ap ke ilake ko M. E. ke liye abhi Rs 15/- mahwari dena hai, par ab se aur Rs 5/- adhik yani ap age Rs 20/- dijiye. Yah na hone se grant jarur chahi to kam kiya jaega chahi to bilkul utha diya jaega. So ap kripaya jatin kariye ki ap ke M.E. ka grant age bhi chale is liye ap har ~~millins~~ us ke liye apna den dete rahiye.

Age shubh,



Head Supervisor,
Lutheran Schools, Ranchi.

No. 1566

Ranchi.
September 24, 1936.

Rev. M. Schiebe,
Kinkel, P.O. Kinkel, Dt. Ranchi.

Dear Mr. Schiebe,

+ Bondobari
With reference to your letter No. nil, dated the 7th instant, addressed to the D.B. Vice-Chairman, copy of which was forwarded ~~also~~ to me, I beg to inform you that on account of the short of fund the D.B. has suspended the stipends of 11 of our primary schools. In Kinkel area the stipends of Pithra and Keshedega have been ~~suspended~~. In case there will be money in D.B. fund they will be paid later but in case no money will be forthcoming they will not be paid. The schools are however not closed, the villagers are therefore urged to run on their schools without the D.B. stipends. For the same reason the stipend of Simerbera also could not be paid although it was opened by the permission of the D.B.

Kindly then ask the villagers to run on their schools as long as there will be no money in the D.B. fund. The D.B. applied to the Govt for grant but it was not paid to it.

Yours sincerely,

Copy to Rev. Johan Kujur,
Kinkel, for information.

N.S.

N. S.
Head Supervisor,
Lutheran Schools, Ranchi.

No 1385-99

Ranchi.

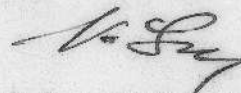
August 17, 1936.

Rev. M-Schiebe
..... Kinkel
.....

Padri ~~Saba~~ M-Schiebe Sahib ko bahut yishusshay.

Ap ko malum hove ki ap ke parish athwa Ilake ke kitne schoolon ko [Primary School] unke certificate of recognition ke liye chahiye to B athwa C No. diye gaya hai. Ap koshish kariye ki jin schoolon ko B certificate hai wo A banaye jaye ka jeta hove, aur jinke C darje ke hain wo B banaye jayen. Jo 2 C men rakhe gaye hain wo ho sakte hai ki D.E. se uthaye jaenge aur jodi wo utha diye jayen to humon ka bahut nukshan hoga. So jo 2 C gine gaye hain ap log koshish kariye ki wo B giro jaye saken.

Age shubh,



Head Supervisor,
Lutheran Schools, Ranchi.

All the boarding account registers, Cash book and accounts thus audited on the 1st July 1934. and this found thereupon the remarks are written.

i There has been not given any clear idea shown expenditure to the Cash book for Rs 2/9/- for the month of April nor there is found any of the receives signature for the amount he received.

ii The Lali manager entered to his B. Marketing Register for Rs 2/- "loan" dated the $\frac{16-2-34}{23-2-34}$ and he has written written below to it - refunded. He didn't shown any expression for it - as he has shown in the remarks - said loan to be a person, as shown. Such his idiomaticele account keeping is rather not good.

iii Again the Cali manager shown to his B. M. Register twice loan for 0/5/6 on 4-2-34 and 0/4/3 on 10-2-34. but he didn't shown to any whether the amount refunded to whom or not from whom he had brought. He should have to clear up his account before giving in charge of new appointed manager. The account should be cleared up on explanations.

iv The amount presents in receipt book Roll No. 8 dated 19-1-34 - 28 ser rice, but the amount was not found in the Daily Collection register nor the amount deposited to any Cash book. The same in the same way there presents in receipt book Roll No. 16 - for 13 ser rice and 5 ser dal and not entered to the Cash book. The amount should be made up.

v The closing total balance of the rice differs then to the Deposit & Daily Collection registers for the month April. The Total shown in the daily collection book 9 md 29 ser and for Deposit register 8 md 15/8. The account should be adjusted according to the fee is realitee.

VI The treasury cash account is rather found fair but it would be rather better if the opening and closing balance should be cared to keep distinctly.

VII The balance of the cash books shown fairly.

VIII To-day the rice & dal was found in store are as follows.

Rice Balance	5 ^m - 30 - sec - 7 cha.
Dal	1 ^m - 1 sec - 8 cha.

16 sec rice was found less loss in re-measurement to the whole.

There was found 1^m & sec of kurthi worked by little animal called by "Ghem"

21 sec of urd made "Barry"

7 sec dal was found worked in store.

IX The daily B. store account and balance of the same was first made mistake by the Cali manager and thus the account balance was corrected to the whole.

Stacey
Auditor

1st 8/34

Lutheran compound, Ranchi.
August 1923.

Dear Pastor Magham,

After hearing the various reports from different Ilakas to the effect that the people are not interested in their schools as they ought to be, we have been thinking of a way by which such interest might be created. We were reminded that the village Panch might be used for the purpose of making the school known to the people. If such a Panch does not exist we would advise that one be appointed and that all interests in the community be represented on the Panch. We believe that such a village Panch can be useful in linking together the parents, guardians and the school. The way we believe this can be done is for the Panch to hold meetings at stated times, say quarterly or half-yearly, and present the work of the school to all the people thus assembled. At such times special efforts should be made to have those present who are not interested in the school. ~~Such~~ The reason for the ~~school's existence should be clearly laid before the audience. At such~~ meetings entertainments might be given showing what the children are able to do, as a result of their attendance upon school. Such a programme ought to prove the best advertisement to show the merits of an education. In case you propose beginning such meetings immediately or to begin them later, we request you to send us reports with your monthly bills.

Kindly let us know what you can do and what you propose to do in this matter and report at the earliest possible date. We should like to make a report to the A. B. at the end of September.

~~Trusting you will~~

Yours sincerely,
Ed/- Henry E. Spangler,
Head Supervisor,
Lutheran schools.

OFFICE OF THE SECRETARY, LUTHERAN CHURCH COUNCIL, CHOTANAGPUR & ASSAM.

-----000-----

5. KINKEL LARKI SCHOOL.

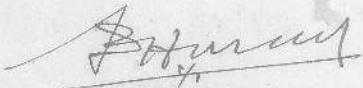
Kinkel ke logon ne ek darkhast Council men bheja ki larkiyon ko atmik aur laukik shiksha dene ke liye ek larki school khola jay. Is bishay par dhyan dekar batchit hui aur yahi sthir hua -

SANKALP: Ki Kinkel men larkiyon ke liye school kholne ke bishay par Miss Heintze ek pura report taiyar kar Council ko dewen. Kinkel ka darkhast unke pas bhej diya jay.

Memo No. 480-81/31.
P. = 6 or 25.

Dated Ranchi, the 28th. August, 1931.

Extract copy from the Minutes of the Church Council Executive of 31st. July 1931 forwarded to *the Rev. M. Scheel, Kinkel.* for information, ~~guidance and compliance.~~


Secretary,

G. E. L. Church.

Statement showing the present expenditure in Rs. according to the standard scale of the Bd. Code.

School	Name of teacher	Present Exp	Standard scale	Diff.
Barja	Mr. Z. Hero Hd.M.	Rs 50	50	Rs 0
	A. Hero Snd.	42	35	Rs 7
	J. Khandir Varn	30	30	0
	K. Parti	22	20	2
	Ph. Parti	22	20	2
	M. Tisu	15	15	0
	T. Torono	15	15	0
	P. Garia	15	15	0
	Pr. fund	5-15-	5-0-0	10-0
	Repair	5	5	0
	Library	2	2	0
	Conting	2-1-	2-1-	0
	Servant	2	2	0
Total		Rs 234	232-10-0	11-0-0

Income :-

Fees Rs 75
 Grant 05
 Ilaka 15 Rs 195

Gobindpur.	Mr. F. Tige Hd.M.	Rs 50	50	Rs 10
	J. Hero Snd	35	35	0
	M. Kark Varn	30	25	5
	M. Tisu	20	20	10
	P. Hongari	18	15	3
	M. Inara	15	15	1
	S. Torono	15	15	0
	Pr. fund	5-0-0	4-13-	1-0-0
	Library	2	2	0
	Repair	5	5	0
	Conting	7	2	5
Total		Rs 231-0-0	198-13-	34-0-0

Income :-

Fees 75
 Grant 05
 Ilaka 12 Rs 192

Kirkal	Mr. P. Dhangra	Rs 32	30	2-0
	J. Khan	35	35	0
	J. Kajar Varn	28	25	3
	S. Torono	22	20	2
	N. Jagun	17	15	2
	A. Kajar	15	15	0
	Pr. fund	5-1-	4-0-	1-0-
	Library	2	2	0
	Repair	5	5	0
	Conting	5	2	3
Total		Rs 185-1-	173-0-	12-1-

Income :-

Fees Rs 32-
 Grant 50
 Ilaka 3 Rs 75

Koronje.	Mr. P. Bhengra	Rs 30	30	0
	T. Bago	40	35	5
	G. Mina	35	30	5
	J. Torono	30	30	0
	G. Mina	24	20	4
	Ph. Bago	15-0-	15	0
	P. Torono	15	15	0
	Pr. fund	5-1-0	4-11-0	1-0-
Total		Rs 233-9-6	187-11-6	45-14-

Income :-

Fees Rs 48
 Grant .. 55
 Ilaka .. 24

Repair
 Library
 Conting
 Servant

Total

Lehardage.

Mr. G. R. Harens Ed.m.	Rs 50		
.. H. Kujar	.. 40		5-
.. H. Topno Vern	.. 30	25	5-
.. H. Kujar ..	.. 24	20	4-
.. I. Khalkho ..	.. 20	15	5-
.. Purn Baba ..	.. 15	15	.
Pr. fund	.. 6-5-	4-0-	1-12-
Repair	.. 5	5	.
Library	.. 2	2	.
Conting	.. 2	2	.
Servant	.. 6	6	.
Sewing charge	.. 2-6-	2-6-	.
Total	Rs 202-13-	182-1-	20-12-

Income :-
 Fees Rs 60
 Grant .. 25
 Borrowing 7 Rs 152
 from Seat-A.,

Takaram.

Mr. M. Topone Ed. m.	Rs 55	50	5
.. M. Bhongra	.. 35	35	.
.. N. Tuti	.. 35	35	.
.. D. Wina Vern	.. 28	25	3
.. J. Guria ..	.. 22	20	2
.. B. Surin ..	.. 18	15	3
.. J. Kiro ..	.. 15	15	.
.. M. Surin ..	.. 15	15	.
Pr. fund	.. 6-8-6	5-14-6	-10-
Repair	.. 5	5	.
Library	.. 2	2	.
Conting	.. 7-13-6	3	4-13-6
Servant	.. 6	6	.
Total	Rs 250- 6-	231-14-6	18-7- 6

Income :-
 Fees Rs 50
 Grant .. 25
 Ilaka .. 20 Rs 195

Babu Samuel Turkey,
Secretary, Kinkel Lake Ranch.

Dear Sir,

I beg to submit you the names
of successful candidates of the last
L.P. examination: -

(1) Golich L.P. School:

1. Subas Bok - II Division

(2) Bipatpur L.P.

1. Phulchand Kishota III Division

2. Birsai Kujur III "

(3) Kumbira L.P.

1. Premprakash Bara - Bible only

(4) Karamdih.

Mangaldas Ming "

(5) Baghdiga

1. Samuel Ming "

2. Prabhusahay Khakha "

3. Samuel Kujur "

(6) Sanwan

1. Elisaba Toppo "

2. Jaymarin Kerkalla "

3. David Ekke "

4. Masihprakash Turkey "

5. Anand Kumar Khakha "

6. Yakub Samad

P. Dzungdung
(Headmaster.
23/12/31)

श्रीयुक्तमहाशय सुपरभाऊ पाद्री बाबू किनकल
सकल

महामान्यवर ।

तवेदार की ओर हुजूर को जनाया जाता है।
कि मौजे कोचोडेगा में मिशन की ओर से दो स्कूल ठहराया गया
था । उन में से महुवाटोली का स्कूल गया था तवेदार १५ वर्ष
से स्कूल का काम चलाते हैं और बर्तमान समय तक बेन्दोजोर
स्कूल चला रहा है परन्तु बर्तमान समय में लड़कों की कमजोरी
हुई है जो बर्तमान समय महुवाटोली में स्कूल चल रहा है ।
अतः बेन्दोजोर का स्कूल को महुवाटोली के स्कूल में मिलाने
का विचार किया है और दोनों स्कूल को एक में मिलाने से
उमेद रखते हैं कि आइन्दे स्कूल ठीक से चलेगा, अतएव
तवेदार की सविनय प्रार्थना है कि दास की स्कूल को
महुवाटोली में मंजूर किया जावे आइन्दे हुजूर मालिक है ।

प्रभुदास गिंज माधर
लो. प्र. स्कूल बेन्दोजोर
पो. पो. किनकल
११-१०-१८२४

आज तारीख २०-१०-२४ को जोयेडेगा महुआरोली
को चरकापुस्त के साथ बैठे, और अपने बीच में स्कूल
खोलने को पुरा राय सतह किचे, हाजिर के मुखेमान-
मिज, दानिएल लकड़ा, सिद्धान मिज, मतिघास लकड़ा,
हारुन मिज, मलीका मिज, मलीका स्कूल, पलुचान स्कूल
पुनास लकड़ा, ये महुआरोली के हैं।

चरकापुस्त के पलुदपल मिज, सदरख किंडो, जकारिआ कुजर,
नैनसुख बड़ा, हाजिर हैं।

करार करते हैं कि हम लोग ३० घर खिस्तान और आसपास
के हिन्दु भी मिल स्कूल के नियमानुसार घेन जमा कर
स्कूल को सजा ठीक रखेंगे, वास्ते आपना करार सहित
आपना २ दसखत दसखत देते हैं। और साक्षी लड़कों का
जिहरिस्त दिखते हैं।

B.Kh. Gasaffh Minf
Mahmud toly.
22-10-24.

To The Maghar Baboo

Kinkel

P. O. - Kinkel

Dist - Ranchi

too - Kachodlegia
to Kinkel

लड़कों का ज़िह्रिस्त ।

खै ज़िह्रत ।

Mahawalohy

बाप का नाम

लड़कों का नाम

1. फ़नुचरण सक्का - कोमल
2. सन्तोष बड़ा - समुल
3. खिस्तोजित सक्का - सिलबन्दा
4. मल्लिकी मिर्जा - तुलना
5. मतिदास लकड़ा - नैनमुख
6. मोहन मिर्जा - कोमोलिना
7. सन्तोष मिर्जा - आशुत + इनचास
8. सुलेमान मिर्जा - मसीहधनी
9. फ़नुचिका मिर्जा - युमास
10. फ़िलिप शेप्पो - मोहन
11. जनपाइत दुमात - विश्राम
12. इद्रजित - लहुमान
13. आशित - जर्गनाथ
14. भवोसी सक्का - आनंदहाम
15. लुंदरु Chaokobuthil जिरु
16. सन्तोष बड़ा - सुगत

लम्पनी

17. मरकस - बिंदो
18. माको - पिंडो
19. पेचन्द - "
20. बिनपिन - लुद्धर
21. मसीहदास - काड़ा -
22. खिस्तोजित - पिंडो
23. गुरुल - तिब्की

चपापरी, कलबसूर, कालपेट

पुन,

तबिला, चन्द प्रमचन्द मिर्जा
सलोमी, jakria kuyar
सरो, मसीहदास
विश्राम,
कालो, मसीहदास

No. 55

Ranchi.
January 8, 1934.

The Rev. M. Schiebe,
Kinkel, P. O. Kinkel (Ranchi).

Dear Mr. Schiebe,

I am stonished to get your letter No. 1726, dated the 4th January, 1934, regarding giving notice to Babu C. H. Hemrom. On the 1st of November, 1933, you informed me that the Managing committee of the school passed a resolution to the effect that there should be retrenchment in the staff of the school and the last master should be given leave. But now again you consult the teachers whether one teacher be sent away and only six teachers should remain in the school. If the managing committee has been consulted and when you give me the resolution of the Committee why should there be any necessity to consult the staff again.

Now, according to your 1st information I wrote the Inspector informing him that one teacher in the Kinkel M. E. is being sent away owing to low roll number of the school. He approved the resolution of the Committee and so I sent you a notice for Heran Babu that he should leave the school from the 1st of January, 1934, I cannot change the order because then I have to ask the Inspector also to change his approving letter. The Order will, therefore, stand and therefore please give the notice to Heran Babu. But he should be given a month's notice and therefore he should be paid his January salary.

Yours sincerely,



Head Supervisor,
Lutheran schools, Ranchi

No. 1626

Ranchi.
December 8, 1933.

Rev. M. Schiebe,
G.E.L. Mission Compound, Kinkel.

Dear Mr. Schiebe,

I beg to acknowledge receipt of copy of the minutes of your M. C. meeting dated the 1st December, 1933, and for my remarks on some of the items are as follows :

1. Ed. Code and 5 teachers. It is quite correct that the C.C. wants to cut down the number of teachers of the Kinkel M.E., and if you like, to keep only 5 teachers as the Code prescribes. Your M.C. also is very glad to get that recommendation from the Council. But it should be borne in mind that neither the C.C. nor the school M.C. have to run the school. The burden of running the school and working there has fallen on the shoulders of the teachers. I should say that it is impossible to run a school (M.E.) like ours where the teachers have not only to give lessons in classes but also to look after its hostel. They have also to take extra work (Bible teaching, Singing, Manual works and congregational works, etc, etc.). A Five teacher school has to ~~run~~ ^{teach} only a few secular subjects in accordance with the school syllabus and nothing more but it is not so with our schools. But, however, if your M. Committee has determined to keep only 6 teachers kindly inform me about it and then I shall give notice to Heran Babu to leave the school with effect from January 1, 1934.

Yours sincerely,

H Head Supervisor.

2. Prize distribution. The order of the department is to have the prize giving soon after the class promotion, i. e. in December before the Christmas holidays and I would recommend it to you to have it in December, but if you have a strong ground to have it in next March, which is rather too late, I cannot say against it. I only inform you the order of the department.

3. Sending away Babu Heran. Before he is given a notice to leave the school for retrenchment I would request you to see whether the school can be properly run with 6 teachers when they have to look after multifarious other works besides the works of the school syllabus. If the teachers undertake to run the school kindly inform me about it and then I shall give notice to Heran Babu to leave the school because for want of fund the school cannot keep him.

Moreover, it should be borne in mind that in next year the roll number of the school will greatly increase if efforts to that effect have been made by teachers and the other church workers. If roll number will increase Babu Heran must have to remain in school.

Yours sincerely,



Head Supervisor,
Lutheran Schools, Ranchi

No. 72-87

Ranchi,
January 9, 1933.

The Headmaster,
M. E. School at *Kunkel*

Dear *Patrons Baby*

It has been experienced that if the headmasters are left alone to handle the hostel and school money great difficulty comes to happen in the end. It is therefore advised that you should arrange in such away that no kind of money is kept by you. You are responsible, no doubt, for all sorts of fund but please so arrange that treasurers are appointed for each of the school and hostel money and you are only the person who draws out from him ~~anything~~ necessary for the school or the hostel. something

The money which is drawn out from the treasurer must be according to the rules of the managing committee of the school or what the hostel committee he permits and every one who does spend something for the hostel or school must have proofs for his dealing by keeping every voucher.

The school and hostel accounts should always regularly be audited and checked by persons appointed by committees.

Yours sincerely,

V. S.

Head Supervisor,
Lutheran Schools, Ranchi.

13/1/1933
Code

No. 1071-76

Ranchi.
July 6, 1932.

The Headmaster,
M. E. School at ... *Kinupel* ...

Dear ... *Patron Bala*,

I beg to request you to inform the secretary of the school managing committee that unless the school charges such as, pr. fd, house repair, prize and library, etc, are not paid to the school regularly every month the grant of the school will not be paid by the Govt. Please see, therefore, that in case those charges have not been paid to the school since last January they should be at once paid that the grant may be received from the Govt. Unless this is done there is no hope of getting any Govt. grant.

Further, please see that school fees are paid regularly by the boys. The names for non-payment must be struck off the rolls in accordance with the provision of the Code. The guardians and authorities of the school have no choice but to follow the code. It does not matter if ~~the~~ a class is empty after a month for non-payment of the fees of that month.

N. S.
Head Supervisor,
Lutheran Schools, Ranchi.

No. 1683

Ranchi.
December 18, 1933.

The Rev. M. Schiebe,
Kinkel, P. O. Kinkel, Dt. Ranchi.

Dear Mr. Schiebe,

With reference to your letter of the 12th instant I beg to say that if the Kinkel teachers are quite willing to undertake the whole burden of the school I am sending a notice to Heran Babu that his services are no longer required in the school from the beginning of the next year as the roll number of the school is very low. But I request you to call him back in case the roll number will increase in the next year.

As regards transferring him to another school I am sorry that I cannot do it for the present because every school is manned with enough number of teachers.

Yours sincerely,



Head Supervisor,
Lutheran Schools, Ranchi.

School

No. 1799

To,

The Headmaster,
Kinkel School.

Dear Sir

Dated Ranchi the 29th June, 1925.

Dear Sir,

With reference to the pay bill of your school for the month of June, 1925, received in this office on the 25th June, 1925, I note that you enquire regarding the pay of Babu Samuel Minz, who joined the staff on the 12th June, 1925. For the present the Advisory Board is utterly unable to do otherwise than to regard the pay of C. T. men as fixed by the scale adopted by the Board in October, 1924. Therefore, Mr. Minz's salary will be Rs 30/-.

The same financial stress which prevent the improvement of this scale compels me to recall to you the fact that the local community of Kinkel guaranteed for the current year a subscription of rupees seven hundred towards the cost of raising the school to the M.E. status. It ~~is~~ appears from the inspection remarks of the Inspector of Schools, d/- 13-4-25, that the appointment of a teacher of Mr. Minz's qualification is a necessity directly arising for the ^{not} yet completed change in the standing of the school. Therefore, it is only fair that this expenditure, also, shall be met out of the local subscription. The amount required for your salary during the current year is about Rs 525/-. The remainder of the subscription will almost provide for Mr. Minz's pay up to the end of 1925. Please be so good as to confer with B Rev. Chr. M. Lakra and to make due arrangements.

I may say in this connection that if, as I fully hope, the school can be recognized as an M. E. school and so continued next year, the Advisory Board certainly will be called upon for no small outlay in improving the equipment of the school.

Copy to Rev. Chr. M. Lakra.

Yours faithfully,

G. W. S. S. S.

Head Supervisor, Luth. Schools.

No. 86

Date-stamp of branch office.

RECEIPT.

RECEIVED a M. S. addressed payable to The Manager The North India Christian Tract & Book Society Allahabad post office.

To be filled up in the case of all
INSURED ARTICLES.

Insured for Rs. (in figures) _____

(in words) _____

Insurance fee Rs. _____ as _____

Weights { Rates (for letters) _____
(in words). { Tolas (for parcels) _____

To be filled up
only in the
case of
REGISTERED
(INCLUDING
INSURED
AND V.-P.)
PARCELS.

Stamps affixed.

Rs. A.

To be filled up only in the case of
MONEY ORDERS.

Amount ...

Rs.

A.

Commission ...

10

-

Total ...

-

2

10

2

Total (in words)

Ruppes Ten and
annas two only.

H. L. G. N.
Signature of branch postmaster.

No. 87

Date-stamp of branch office.

RECEIPT.

RECEIVED

No. 87
Ruthvan Church compoundaddressed
payable to

Mrs J Cannaday

at

Ranchi

post office.

To be filled up in the case of all
INSURED ARTICLES.

Insured for Rs. (in figures)

(in words)

Insurance fee Rs.

as.

Weight

(in words).

{ Rates (for letters)

{ Tolas (for parcels)

To be filled up
only in the
case of
REGISTERED
(INCLUDING
INSURED
AND V.-P.)
PARCELS.

Stamps affixed.

Rs.

A.

To be filled up only in the case of
MONEY ORDERS.

Amount

Commission

Total

Rs.

A.

5

-

5

-

2

2

Total (in words)

Rupees five +
annas two only

Signature of branch postmaster.

वेथेसद एम० ई० स्कूल रांची के लिये धन्यवादरूपी बलिदान ।

गाँव *Kinkel*

इलाका *Kinkel*

जमा नाम	दो रुपये से अधिक			
जमा नाम	२ रुपया <i>Rev. Maghan Lakra</i> <i>Rs 2-0-0</i>	२ रुपया <i>Rev. Jaymarit Mity</i> <i>Rs 2-0-0</i>	२ रुपया	२ रुपया
जमा नाम	१ रुपया <i>Catechist H. Tiya</i> <i>Rupre 1/- Kinkel</i>	१ रुपया	१ रुपया	१ रुपया
जमा नाम	८ आना	८ आना	८ आना	८ आना
जमा नाम	४ आना	४ आना	४ आना	४ आना

जमा करनेवाले का नाम *Rev. Maghan Lakra*
Re mitted on 15-8-25

४ आना से कम देनेवालों के नाम इस कागज के पीठ पर लिखा जाय ।

HELEN C. CANNADAY,
Manager Lutheran Girls Schools
Chota Nagpur.

The
Head Supervisor,
Lutheran schools.
Randvi.

Dear Sir,

The combined meeting of the executive committee of the Ilekka parish, the School managing committee and the staff of U.P. school at Kinkel was held on the 30th of July 1925, ~~was held on the~~

The committee considered about the retrenchment of the teachers salary. After a long discussion, it was resolved that the Kindergarten school be amalgamated to the first class of the U.P. school Kinkel, and the mistress Blandine Kuzar be discharged from her duty with effect from the 1st of August 1925.

Office of the Head Supervisor, Lutheran Schools, Ranchi.

No. 754

Dated Ranchi, the 26th February, 1925.

To

Rev. Christ Maghan Lakra,

Pastor Supervisor, Kinkel.

Dear Sir,

Herewith I am forwarding to you a copy of each of the Inspection notes on your school, recorded by the Sub-Divisional Officer, Simdega, and the Deputy Inspector of Aboriginal Schools, on the 27th and 31st January, 1925, respectively, with marginal remarks for your information.

Yours faithfully,

Ambrosine Lakra
for Head Supervisor, Lutheran

A.L.

Schools.

Copy

27-1-25.

On 7-2-25 the
Headmaster reported an
enrollment of 154.

VIth Class :- 28 on roll
7-2-25.

An M.E. passed teacher
will join about the 25th.
Sib; and an S.A. passed
teacher early in March.

Visited this school with the Padri. The no. of
pupils now is 136. which is indeed very satisfactory. I
am glad to see that another class has been added and
boys will now be able to go direct to the Ranchi High
school from here as from Koronjo. One teacher and one
master are away on short leave. The staff consisted of 4
masters and 2 teachers, but one more master is expected in
the near future.

This is very necessary since the roll no. now is
so high. As on previous visits I found the boarders looking
happier and healthier than the day pupils. Compliment to
the Padri and his staff. The school S. I. is giving his at-
tention to this prospering school.

G. W. Dines
Head Supervisor,
Lutheran Schools.
Ranchi.

17-2-1925

N. S.

(Sd/) K. C. Ritcher

S. D. O. Simdega.

Copy

31st Janr., 1925.

On 7-2-25, the Headmaster reported an enrolment of 154.

The strength of the Vth class (new) was reported as 28 on the 7th Feb., 1925.

An M.E. passed teacher will join about the 25th February. The staff will be further improved in March, 1925, and an application for the recognition of the newly added class will then be submitted to the District Inspector.

Visited the Kinkel U. P. School this morning. The roll number has increased to 142. There is a Very great awakening in education in this part of the district and although Kurdeg thana is so far away from Ranchi it has nearly 70 to 80 % of boys of school-going-age attending the schools. The Christians here have felt the need of a M. E. School for long and this year they have added one class. For the M. E. School they will require an I. A. passed headmaster, a Matric asstt. headmaster and another V. M..

This being the beginning of the session the boys have not made much progress. Most of them have not yet been able to get all their new books. I tested the promotions and was satisfied.

The scale which has gone into effect in Lutheran schools for teachers of this grade from the 1st Jan. 1925 is Rs 10/- Rs 11/- 2 years - Rs 18/-

The staff consists of 4 teachers and two mistresses. All of them are trained. Two of them (U.P. G.T.s) have appeared privately for M.E. G.T.. The results are not yet out. Should they pass, their pay must be raised to Rs 12/- R.M..

W. J. Singh
Head Supervisor,
Lutheran Schools.
Ranchi.

17-2-1925

Sd/ J. W. Singh
D. I. A. S.

Name of Parish or School :-

To be submitted to the Head S

Statistics of G. E. L. Schools for the Year 1924.

I

Class. (Old style numbering).	PUPILS.		Total.	Christians.	Non-Christians.	WHETHER BOARDER OR DAY PUPIL.				P			
	Boys.	Girls.				Boarders.		Day Pupils.		Mundas.		Uraon.	
						B.	G.	B.	G.	B.	G.	B.	
XII													
XI													
X													
IX													
VIII													
VII													
VI	8		8	8		7		1				8	
V	14	2	16	15	1	11	2	3				13	
IV	51	4	55	49	6	24	2	27	2			38	
III	38	10	48	42	6	8	3	30	7	1		26	
II	40	10	50	49	1	6	1	34	9	1	2	27	
I	119	63	182	160	22	2	8	111	61	2		55	4
Total.	270	89	359	323	36	58	16	206	79	4	2	167	7

20.1.28.

for the Year 1924.

		STU	
Theological Seminary, Ranchi.		Agricultural Colleges.	
Men.	Wm	Men.	Wm.
4			

January 15, 1925.

Gleba: - Kinkul

2

TEACHERS TEACHING IN					TRAINED TEACHERS TEACHING IN			
High or Middle Schools.		Primary Schools.		Total.	High or Middle Schools.		Primary Schools.	
Men.	Wm.	Men.	Wm.		Men.	Wm.	Men.	Wm.
		14	0	14			17	3

3

STUDENTS IN TEACHERS' TRAINING SCHOOLS.				LUTHERAN STUDENTS OUTSIDE LUTHERAN SCHOOLS.						Total
Higher.		Lower.		M. E.		High.		Theo. Seminary.		
Men.	Wm.	Men.	Wm.	B.	G.	B.	G.	Men.	Wm.	
3										3

4

STUDENTS READING IN										Total.
Theological Seminary, Ranchi.		Agricultural Colleges.		Medical Schools.		Industrial Schools.		Arts Colleges.		
Men.	Wm.	Men.	Wm.	Men.	Wm.	Men.	Wm.	Men.	Wm.	
4						2		1		7

Signature: - *Res. Ch. Inlaker*
Res. Jaymasik being
20.1.25.

Advisory Board of the
Gossner Evangelical Lutheran Church
of Chotanagpur and Assam.

No. 131.....

THE REV. J. Z. HODGE, *Chmn.*
THE REV. I. CANNADAY, *Sec'y.*
THE REV. E. H. WHITLEY.
D. M. PANNA ESQR.
THE REV. O. V. WERNER.

Office of the Head Supervisor, Lutheran Schools.

RANCHI, 16th Jan. 1925.

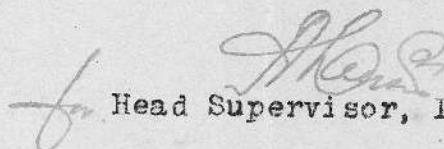
To

Rev. Jaimasih Minz,
Pastor Supervisor, Kinkel.

Dear Sir,

With reference to your letter, dated the 10th Jan-u-ary, 1925, I am returning herewith the mark sheets of the Kinkel L.P. School. The " passes " and " failures" have not been marked as yet which ought to have been done by you. The papers are returned as they were sent here. Please mark the " passes " and " failures " in both the papers and return one copy for office record.

Yours faithfully,


for Head Supervisor, Lutheran Schools

No. 645-58

To,

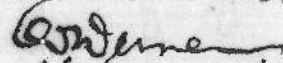
The Headmasters, U. P. schools,
Through, The Pastor Supervisors.

Dated Ranchi the 13th February, 1925.

Dear Sir,

Please be so good as to fill out ~~answering~~ accurately and re-
turn to this office ~~at~~ at an early date the enclosed form on the
teaching of English in Lutheran U. P. Schools.

Yours faithfully,



Head Supervisor.

Statement regarding the teaching of English in the Luthran L.P. Schools.

1. Name of school. Kunkel L.P.
2. Total enrolment. 95
3. Name of master Teaching English. I Benjamin Tisley taught first Half year
II Marshall Lakra " second " "
4. Post in school. 2nd master
5. Qualification - a. Highest class read I Benjamin Tisley I. A. phd
II Marshall Lakra 3rd class of the High school
b. Training - no.
6. Is English on regular school time table? yes - when Benjamin Tisley was.
no - when Marshall Lakra was.
7. Is English Taught - "privately" outside of school hours? yes, when there was not a matric teacher. & in other case no.
8. No of pupils reading English in 1924
a. New style cl. IV .. 16
b. " " cl. V - 8
9. Annual Examination
a. No of Candidates. 8
b. No of passed. 7 (with English) and (without English)
10. Remarks.

Advisory Board of the
Gossner Evangelical Lutheran Church
of Chotanagpur and Assam.

No. 389

THE REV. J. Z. HODGE, *Chmn.*
THE REV. I. CANNADAY, *Sec'y.*
THE REV. E. H. WHITLEY.
D. M. PANNA ESQR.
THE REV. O. V. WERNER.

Office of the Head Supervisor, Lutheran Schools.

RANCHI, 3d February,
1925.

To

Babu Masihdas Lakra, (*Karaiguma*)
Lutheran Seminary, Ranchi.

Through - *Rev. Christ Maghau Lakra, Kinkel*
Dear Sir,

Referring to letter dated the 30th
January, 1925, from the Secretary of the Church
Council, requesting me to provide you with a
teaching post in one of the Lutheran schools,
I take pleasure in offering you employment in
the M.E. School at Kinkel. Your specific duties
will be decided upon by the local Pastor-Super-
visor and Headmaster.

Yours faithfully,

O. V. Werner
Head Supervisor,
Lutheran Schools.

No. 3028
4L-2-24

From

Bab Jogendra Nath Chatterji, B.A., B.T.,
District Inspector of Schools, Ranchi.

To

The Head Supervisor, Lutheran Schools.

Dated Ranchi, the 11th May 1924.

Sir,

With reference to your No. 856, dated the 2nd May, last, I have the honour to inform you that surely there can be no objection to the continuance of the Lutheran School at Baghdega provided it continues to show the average minimum daily attendance of 15. As the non-christian boys have a very large roll number, they have justified their claim to have a separate shhool of their own and I am ~~afraid~~ glad you do not object.

I have etc.,

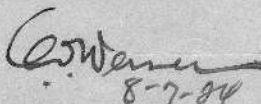
Sd. J. N. Chatterji.

District Inspector of Schools.

Memo No. 946.

Dated Ranchi, the 7th July 1924.

Copy forwarded to Rev. Maghan Lakra, Pastor Supervisor, Kinkel, Ranchi for favour of report.


8-7-24
Head Supervisor,
Lutheran Schools.

Sarobar.
7.7.24.

U R G E N T .

To,

Headmaster, G. T. School,
Headmasters, M. E. schools,
All Pastor-supervisors.

Dated Ranchi the 23rd October, 1924.

Dear Sir,

The Admission Examination of Lutheran Guru Training school, Gobindpur, will be held on Wednesday, the 19th November, 1924. Please inform me at once of the number of teachers who will sit for this examination in your center.

At Burju, Gobindpur, Keronjo, Lohardga, Takarma, the Headmasters of the M. E. schools will be in charge of the examination. In other places, the Pastor-supervisors will make due arrangements. The subjects are Hindi and Arithmetic.

Please send a reply by return of post if possible.

*Wherever the Candidates may find it
convenient to sit,*

Yours faithfully,

G. W. P. M.

Head Supervisor
Lutheran schools

Office of the Head Supervisor, Lutheran Schools, Ranchi.

No. 1763 -

Dated, Ranchi, the 22nd October, 1924.

Dear Sir,

The Admission Examination of the Lutheran Guru Training School, Govindpur, will be held on Wednesday, the 19th November, 1924. Please inform me at once of the number of teachers who will sit for this examination in your centre.

At Burju, Govindpur, Koronjo, Lehardaga, and Takarna, the Headmasters of the M. E. Schools will be in charge of the examination. *wherever candidates may find it convenient to sit,* In other places, the Pastor-Supervisors will make due arrangements. The subjects are Hindi and Arithmetic.

Please send a reply by return of post if possible.

Yours faithfully,

To

The Pastor-Supervisor,
Lutheran Schools,

W. J. W.
Head Supervisor, Lutheran Schools.

Kinkel

Office of the Head Supervisor, Lutheran Schools, Ranchi.

No. 1528

Dated, Ranchi, the 12th. September 1924

Dear Sir,

With reference to the petition of Christ Hardugan Toppo and Christ Kalyan Minz, Gurus of Bondobari and Pithra respectively, I am now in a position to inform you, that they will get the arrears of their pay at Rs 2/- per month from January 1924, and their pay in the future will be Rs 9/- per mensem.

Yours Truly,

G. W. Arora

Head Supervisor, Lutheran Schools

Ranchi.

To,

Ref. Jaimasih Minj. P. S.
Lutheran Schools, Kinkal.

POST

WRITING SPACE

INDIA



To

Babu Johan Minz,

L.P. Teacher.

Through

Mordidaga

Rev. Maghan Lakra,
Kinkel.

To

Rev. Maghan Lakra,
Kinkel

P.O. Kinkel

(Ranchi).

Office of the Head Supervisor, Lutheran Schools.

D.B. No. 1461.

Ranchi,
The 5th September,
1924.

Dear Sir,

Your petition undated regarding re-opening of the Kochedega L.P. School and acceptance by the Advisory Board.

The general subject of re-opening of closed schools will be considered at the ensuing Monsoon Meeting of Pastors.

Yours sincerely,

Andersen
579.

Ranchi, Nov. 10, 1933.

To.

The Headmasters, M. E. schools &
Pastor Supervisors Luth. Pr. schools.

Dear

Pastor, —

Through the Secy. of the Goswami Autonomous Luth. Church the Head Supervisor and those associated with him in the administration of the Lutheran schools are requested to observe the 150th anniversary of the birthday of Father Goswami. The authorities of the Boys' Primary, M. E. and C. T. schools will be most pleased to associate themselves with the Church in observing this day and hereby issue an order that all schools be closed on Dec. 14th- the day of this anniversary. Headmasters and Pastor Supervisors are requested to close the schools for Xmas holidays on Dec. 19th instead Dec. 18th.

Yours sincerely,
Ed/- H. E. Spengler,
Head Supervisor.

Lutheran Compound, Ranchi.

August 25, 1924.

Rev. Khrist Maghan Lakra,

Kinkel.

Padri Babu Khrist Maghan Lakra ke bahut yishusahay.
Ap ke malum ho ki Kinkel ke master Marshan Bimal Lakra ne
apne talap bridhi ki darkhast Head Supervisor ke pas bheja
hai. Sab darkhast ap Pastor supervisor ke jariye ana cha-
hiye. Se ap uske yahi kahiye. Age phir uske yah bhi beliye
ki sab master legen ke talapon ka scale phir se sudhara ja
raha hai. Wah ab tak tayar nahin hai. Sudhar ke picheh jadi
Bimal master ke bhi talap bridhi pane ke aisa hoga to us ke
jarur bridhi di jayegi. Se wha kuchh din aur dhiraj dhare.

Age shubh,

Munim Lal

Office of the Head Supervisor, Lutheran Schools, Ranchi.

No. 2095

Dated Ranchi, the 28th November, 1924.

Dear Sir,

Babu Abraham Kujur of Kinkel, now completing his G. T. course at Govindpur, has applied to me for appointment to a permanent post in the Kinkel U. P. School. But I understand that Babu Marshan Lakra is the only untrained temporary teacher, and that he is substitute for Babu Samuel Minz who has been deputed for training to Ranchi, and will revert to Kinkel in 1925. Therefore, I request you to be so good as to inform me of your opinion in the matter.

Yours sincerely,

Ambarish Lakra
Head Supervisor, Lutheran Schools.

To

Rev. Christ Maghan Lakra,
Kinkel.

M/A/L

Advisory Board of the
Gossner Evangelical Lutheran Church
of Chotanagpur and Assam.

No. 782

THE REV. J. Z. HODGE, *Chmn.*
THE REV. I. CANNADAY, *Sec'y.*
THE REV. E. H. WHITLEY.
D. M. PANNA ESQR.
THE REV. O. V. WERNER.

Office of the Head Supervisor, Lutheran Schools.

RANCHI, 28th Feb., 1925.

The Rev. Ch. M. Lakra,
Pastor-Supervisor,
Kinkel.

Dear Sir,

This is to inform you that in accordance with Babu Joel Lakra's petition for transfer from Karjidaun, Khutitoli Ilaka, to your Ilaka, recommended by the Rev. D.K. Kujur, I have requested Rev. Kujur to arrange for this transfer with you if you agree.

Yours sincerely,

(Signature)

Head Supervisor,
Lutheran Schools.

Statement Showing the expenditure incurred

1.	One dozen Receipt Books	Rs 4-8-0
2.	One Headmaster's Inspection Book	Rs 0-8-0
	One Transfer Certificate Book	Rs 1-0-0
4.	Postage	Rs 1- 13 -0 1-13-0
5.	Packing	Rs 0-5-0
6.		

Total Rs ~~7-7-0~~ 8-2-0

6.	One L. form Register ———	0-8-0
7.	One Cash Book ———	2-0-0
8.	One Contingent Book ———	0-8-0
9.	One fee Collection Book	0-10-0
10.	One Teacher's attendance Register	1-0-0
12.	Mass Routines — — —	0-3-0

G. Total Rs. 12-15-0

Ranchi.

January 30, 1925

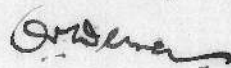
To,

The Pastor Supervisors,
Lutheran Primary schools. *Kinckel*

Padri Supervisor sahib ko yishusahay.

Is bheje hue form ko apne sab masteron ke bich bant dijiye aur unko unhen
bharwa kar agami 15win February tak men smashya karke phir yahan kripa
karke leuta dijiye.

Age shubh,



Head Supervisor.

TEACHER'S SERVICE RECORD.

Office of the Head Supervisor,
Lutheran Schools, Ranchi.

No.

Name *Anandmasik Kuyji* Home Village *Hingir*

Date of birth	Church or religion	Highest Class	Where passed	Year of leaving school	Untrained?
<i>Not Known</i>	<i>Lutheran Church</i>	<i>U. P. Pass</i>	<i>Kinkhel</i>	<i>1916</i>	<i>yes</i>

Training: Where?	Year ?	Grade ?	Passed ?	Failed ?	Re-appeared ?	Special tests and Qualifications
<i>No</i>	<i>"</i>	<i>"</i>	<i>"</i>	<i>"</i>	<i>"</i>	<i>"</i>

Year	Month	School	Grade of school	Ilaka	Post in school	Salary	Remarks
<i>1917</i>	<i>January</i>	<i>Hingir</i>	<i>L.P. School</i>	<i>Kinkhel</i>	<i>Head guru</i>	<i>7/-</i>	

The above is a true statement of my qualifications and service.

Dated *Kinkhel* the *10 January* 1925....

Anandmasik Kuyji
Signature.

(P. T. O. for additional record and remarks.)

To,

Rev. Chr. M. Lakra,

Kinkel.

Dated Ranchi the 26th January, 1925.

Padri Babu Maghan ko yishusahay.

Ap ko malum hoee ki Babu Premchand Tirki ka darkhast jo uski betiyon ke bare tha, Ranchi Girls' schoolon ke Supdt ke pass us ke bichar ke liye bhej diya gaya ki jadi ho sake to wah uski donon betiyon ke liye Ranchi ke larki school men jagah bandobast kare. Us ki chhuti to manjur ki jayegi par school ke kam men nukshan na hone ka bandobast ap hi ke upar rakha jata hai.

2, Bendojor school ka Mahuatoli men milaya jana manjur kiya jata hai.

3, ap se leke Kinkel Ilaka ka talap phir Kinkel hi bheja jayega to masteron ko kuchh takliph nahin hoga.

4, Jahan 2 ke master log M. E. sikhne ko Kinkel ate hain un sab ke khali jagah jagah ko bharne ke liye ap log kriya karke phikir kijiyege. Masteron ka M. E. parhna to achha hai.

Age shubh,

Asst to Hd. Supr.

POST

INDIA



CARD

WRITING SPACE

ADDRESS ONLY



Yours Faithfully
Ambrosius Labrec
for Head Supervisor,
Lutheran Schools.
Ranchi.

To.

Rev. Christ Magham
Labrec
Lutheran Commissioner
P. O. Kinkel
Dist. Ranchi

Office of the Head Supervisor,
Lutheran Schools,

Ranchi the 19th Jan. '25

No. 152

To.

Rev. Christaunant Prind, Karimatti
~~Rev. Christ Magha Laloo & Jyamasit Singh~~
Lutheran Compounded, Kishit.
Karimatti

Dear Sirs,

This is to remind you that the
annual returns of the schools in your parish
has not yet reached this office, though it was
due by the 15th January, 1925 at the latest.
Please be so good as to send it by return
of post, if possible.

No. 157.

Office of the Head Supervisor,
Lutheran Schools,

Ranchi, the 19th January, 1925

To

Rev. Christ Magham Lakra &
Rev. Jannanik Ming, Kunkel.

Dear Sirs,

This is to remind you that the annual returns of the Schools in your parishes have not yet reached this office, though they were due by the 15th January, 1925, at the latest.

Please be so good as to send them by return of post, if possible.

Yours faithfully
fr. Ambrosius Lakra
Head Supervisor,
Lutheran Schools.
Ranchi.

Advisory Board of the
Gossner Evangelical Lutheran Church
of Chotanagpur and Assam.

No. 153

THE REV. J. Z. HODGE, *Chmn.*
THE REV. I. CANNADAY, *Sec'y.*
THE REV. E. H. WHITLEY.
D. M. PANNA Esqr.
THE REV. O. V. WERNER.

Office of the Head Supervisor, Lutheran Schools.

RANCHI, 19th Jan., 1925.

Rev. Chr. M. Lakra,
Chairman, Kinkel Ilaka Panch,
Kinkel, Ranchi District.

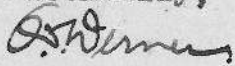
Dear Sir,

I acknowledge with thanks the receipt of your letter of the 13th January, informing me concerning the opening of the M.E. class in the Kinkel school. I congratulate you and your Ilaka Panch on the step you have taken in faith; and pray that by God's grace much good may result from it for our Church.

At this writing, I am still unable, to my great regret, to indicate the name of the teacher who will come to be ^{the} new headmaster of your ~~school~~ school. It is not easy to find a man. If I do not succeed before that time, certainly, I hope that a qualified man (I.A., if not higher) will arrive at Kinkel very shortly after the I.A. and B.A. examinations in February. At the worst, you may instruct your teachers to work ahead on the other subjects; so that when the English work begins in earnest, extra time may be available for it.

With best wishes,

Yours faithfully,


Head Supervisor,
Lutheran Schools.

Advisory Board of the
Gossner Evangelical Lutheran Church
of Chotanagpur and Assam.

No. 66.

THE REV. J. Z. HODGE, *Chmn.*
THE REV. I. CANNADAY, *Sec'y.*
THE REV. E. H. WHITLEY.
D. M. PANNA ESQR.
THE REV. O. V. WERNER.

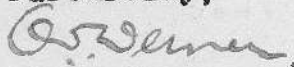
Office of the Head Supervisor, Lutheran Schools.

RANCHI, 9th Jan., 1925.

Dear Sir,

With reference to your postal card dated the ~~six January~~ 26th December, 1924, and received here on the 3d January, I wish to inform you ~~that~~, in case you have not already gone to join the R.C. Mission G.T. School, that there is no objection against your doing so. Men of U.P. qualification are not admitted in our own G.T. school at Govindpur.

Yours faithfully,



Head Supervisor,
Lutheran Schools.

To

Babu Anandmasih Kujur,
L.P. School, Hingir.

Through

The Rev. Chr.M. Lakra,
Kinkel.

Advisory Board of the
Gossner Evangelical Lutheran Church
of Chotanagpur and Assam.

No. 75

THE REV. J. Z. HODGE, *Chmn.*
THE REV. I. CANNADAY, *Sec'y.*
THE REV. E. H. WHITLEY.
D. M. PANNA ESQR.
THE REV. O. V. WERNER.

Office of the Head Supervisor, Lutheran Schools.

RANCHI, 9th Jan., 1925.

Dear Sir,

With reference to your letter dated the 29th December, 1924, applying for transfer to the M.E. School at Takarma, I wish to say that I cannot promise you definitely that a post can be provided for you in the M.E. School. I have written to the Headmaster and to Rev. Lucas Topono, the Pastor-Supervisor, informing them of your request and telling them that, if your transfer can be arranged to the M.E. School or to some village school in the Takarma Ilaka, I have no objection to its taking place. Please correspond directly with them.

In case you leave Kinkel, is there a qualified man available to take your place in the U.P. School there?

Yours faithfully,

G. W. Jones
Head Supervisor,
Lutheran Schools.

To
Babu Daud Lugun,
U.P. School, Kinkel.

Through
The Rev. Chr. M. Lakra,
Pastor-Supervisor,
Kinkel.

Memo. No. 21

Office of the Head Supervisor,
Lutheran Schools, Ranchi.
Dated Ranchi, the 3d January, 1925.

To *Christ Marphan Bimal Lalra*
Babu
Village *Kinkel.*
Through
The Rev. *Christ Marphan Lalra*
Pastor-Supervisor, *Kinkel.*

Dear Sir,

This is to inform you that you have been selected as a guru pupil, to undergo training during the year 1925 at the Lutheran G.T. School, Govindpur.

You are to join the class on the fifth January, or as soon as possible thereafter. After the fifteenth January, a candidate who has not joined the class will be considered as having forfeited his selection.

Come prepared to STAY.

~~SIXX~~ Bring your M.E. or M.V. Certificate, or any higher or later certificate you may possess. (M.E. Only M.E. or M.V. passed men will be admitted.)

Yours faithfully,

C. W. D. M.
Head Supervisor,
Lutheran Schools.

Memo. No. 22

Office of the Head Supervisor, Lutheran School,
Dated Ranchi, the 3d January, 1925.

To Babu *Prakraddayal Kishore*
Village *Kanma jin*
Through The Rev. *Christ Inaghar Lalwa Kishel*
Pastor-Supervisor,

Dear Sir,

This is to inform you that you have been selected as a guru pupil, to undergo training during the year 1925 at the Lutheran G.T. School, Govindpur.

You are to join the class on the fifth January, or as soon as possible thereafter. After the fifteenth January, a candidate who has not joined the class will be considered as having forfeited his selection.

Come prepared to STAY.

Bring your M.E. or M.V. Certificate, or any higher or later certificate which you may possess. (M.E. Or. y M.E. or M.V. passed men will be admitted.)

Yours faithfully,

Q. W. L. M.
Head Supervisor,
Lutheran School.

Office of the Headm Supervisor, Lutheran Schools, Ranchi.

No. 2096

Dated Ranchi, the 28th November, 1924.

Dear Sir,

I shall be obliged if you will be so good as to inform me as soon as you can concerning the decision of the Kinkel Ilaka Panch with regard to the opening of the M. E. School at Kinkel in January, 1925.

Yours sincerely,

Christ Maghan Lakra
Head Supervisor, Lutheran Schools.

To

Rev. Christ Maghan Lakra,

Kinkel.

W/A.L.

28.11.

U.P. and L.P. JOINT EXAMINATION, 1st - 5th Decem. 1924.

1. Superintendents are requested to arrange for the conduct of the examination so carefully that all unfairness in any form will be most rigidly excluded, and even the possibility of any subsequent report of crookedness may be prevented from the start. Those in charge should not hesitate to ask persons of standing who are not regularly connected with the school work to serve as examination visitors and watchers, not restricting them to any one class but leaving them free to move at will about the premises where the examination is in progress. Superintendents are requested to distribute their assistants in such a way that no teacher shall be watcher in a class which he has taught.
2. A pupil found cheating in any manner shall at once be debarred from the whole examination.
3. THE PACKETS OF EXAMINATION PAPERS ARE TO BE OPENED BY THE SUPERINTENDENTS AND THEIR ASSISTANTS ONLY AT THE TIME OF USE, RESPECTIVELY, IN THE EXAMINATION ROOM.
4. The printed time-table of the Joint Examination is to be followed strictly.
5. Superintendents will arrange locally for the setting of questions in all oral subjects (except English Reading, Recitation, and Dictation, the paper for which is herewith sent).
6. Superintendents will make appropriate local arrangements for the valuation of the papers and for the issue of pass lists. From U.P. schools, the U.P. examination papers must be sent immediately after the close of the examination to the nearest M.E. school for valuation as previously requested in the Head Supervisor's letter No. 1694-1702, dated the 14th October, 1924.
7. Immediately upon completion, copies of all examination report forms should be sent to the Head Supervisor's office for information and record.

To Rev. M. Lapre,

..... Kinkel
.....G. W. Warner,
Head Supervisor,
Lutheran Schools.

Memo. No.

Dear Sir,

I am forwarding herewith, in all the subjects required, twelve packets of examination papers, being four packets of L.P. papers containing each 50 copies, and eight packets containing 12 copies of U.P. (except English Reading, Recitation and Dictation, which numbers 30 copies) ~~in all~~.

Ranchi,
24th November, 1924.G. W. Warner,
Head Supervisor,
Lutheran Schools.

POST



CARD

WRITING SPACE

ADDRESS ONLY



To

Head Supervisor,
Lutheran Schools.
Ranchi.

Rev. Jaynasit Singh
Lutheran Compound
P.O. Kunkel
Dist. Ranchi

No 47

Office of the Head Supervisor
Lutheran - Schools, Ranch
The 5th February '25

To

Rev. Jaywarit Ming
Kinkel.

Pardai Babu Jaywarit Ming ko ijodno akay.
Ap ko 20th Janwaray ki chithi ke jabale men apko
yahi kaha jata hai ki Babu Shikham Kugur ka
talap abhi shuru men mahisari 9 rupaiya hogi
Pichhe se jule scale ke anusar adhik mishe ko home
ko nako bhi no samay aur kuchh beahi diya jayga.
O.W. W. Agg. Subh.

POST

CARD

WRITING SPACE

ADDRESS ONLY

INDIA



To

Rev. Christ Magham Lakpa
Lutheran Compound

Head Supervisor,
Lutheran Schools,
Ranchi.

Kinkel Chauri
P.O. - Kinkel
Dist. Ranchi.

No. 1999

Ranchi

18th November, 1924.

Dear Sir,

In anticipation of the arrival of the examination papers, I wish to inform you that the Annual Examination will begin on Monday, the 1st December, 1924, and will end on Friday, the 5th December, 1924.

Faithfully yours

G. D. Dunning

Head Supervisor
Lutheran Schools.

GOSSNER EVANGELICAL LUTHERAN

MISSION CHURCH IN CHOTA NAGPUR AND ASSAM.

BIBLE SCHOOL CERTIFICATE.

This is to certify that Bemasih Loreng aged 25.
visited the Kirkel Bible School from 19 34 to 19 36.
and passed the ^{final}~~annual~~ Examination in the following Subjects :

1. Bible-knowledge. sufficient
2. Catechism. sufficient
3. Church-history. sufficient
4. Preaching. sufficient
5. Service to the congregation.

We recommend the Catechist Bemasih Loreng
to the blessing and the guidance of God and to the benevolence of Public-and Mission
Authorities.

The 18. Dec 19 36.

Principal,

Kirkel
Kirkel

GOSSNER EVANGELICAL LUTHERAN

MISSION CHURCH IN CHOTA NAGPUR AND ASSAM.

BIBLE SCHOOL CERTIFICATE.

This is to certify that Junas Kujer aged 21.
visited the Kihel Bible School from 19 34 to 19 36.
and passed the final Examination in the following Subjects :

1. Bible-knowledge. sufficient
2. Catechism. sufficient
3. Church-history. sufficient
4. Preaching. sufficient.
5. Service to the congregation.

We recommend the Catechist Junas Kujer
to the blessing and the guidance of God and to the benevolence of Public-and Mission
Authorities.

The 18 Dec. 19 36.

Principal,

W. H. H. H.
Kihel.

Res. Johann Kujar.

"BULL-DOG" EXERCISE BOOK No. 1

Subject Karamaish

bandh kishay nivadan

Name

Leader: Res. Johann Kujar.

Class

Roll No.

Year 1933.

निवेदन पत्र ।

किशनकेल इलाका मंडलियों के लिये भाई बहिनों को किशनकेल इलाका पंच को मोह से बहुत २ धन्य सहाय !

आप लोगों को मालूम है कि करमड़ीह गांव किशनकेल इलाका का जमिंदारी गांव है जहांका बांध बर्षों के द्वारा नदी के समान बना दिया गया है कि अगर मराड़ियों बांध बांधने में कोई सहायता न दे तो करमड़ीह गांव ही बिलकुल नाश हो जायगा ।

इस लिये इलाका पंच मराड़ियों के भाई बहिनों से अर्ज करती है कि भाई बहिन बांध बांधने की सहायता करे और अपने शक्ति भर मदद दें ।

प्रेम से आप लोगों का आशीर्वाद
किशनकेल इलाका पंच गरीबों को

किशनकेल इलाका पंच चैयरमेन

N.B.

अगर इस में भर कर जगह नहीं मिलेगा तो आगे के लिये कोई दूसरा कागज ले सकते हैं ।

Johan Kujar

1. mds.

१- हांगुन विसम प्रचारक 115 प्यराडी

२- पारस - रक्षा

१15

३- थोहन - रक्षा

९

४- कुशल (कहा)

१९

५- सिमोन रोपे

* पुसे

६- गुलाफ रक्षा

मन - से - १२० - ५ - 115

७- कासनापुल विस

१०-

८- हाबिल रक्षा

१०-

९- सिरिल

* डि

१०- मिका रक्षा

* डि

११- पतूर रक्षा

* डि

१२- मनमसी

115

१३- इसाक लमका

* 115

१४- मविमाल रक्षा

१०

१५- चमदास लमका

६

१६- गुनाते रक्षा

१०

१७- इलमस लमका

१०

१८- लामा रक्षा

१०

10-10-0

10-10-0

नाम	नाम	गोत्र	मत	सं	वर्ग
१८					
२०					
२१					
२२					
२३					
२४					
२५					
२६					
२७					
२८					
२९					
३०					
३१					
३२					
३३					
३४					
३५					
३६					
३७					
३८					
३९					
४०					
४१					
४२					
४३					
४४					
४५					
४६					
४७					
४८					
४९					
५०					

Index

1) आनन्द यमल	38
2) N. Ming	06
3) जैलस लकड़ा	96
4) Abraham	96
5) लमसुजियुस मिन	86
6) मोनैद ललकड़ा	85
7) आलफ्रेड मुन्जर	52
8) मरटीन खालखो	56
9) फेलिप खालखो	11
10) उमुदपाल खेव	11
11) मरकास तगा	56
12) जसु 9319	56
13) धर्मदास लकड़ा	56
14) मतिमल लकड़ा	9
15) प्रमुदपाल लकड़ा	58
16) प्रमुदपाल लकड़ा	58
17) प्रमुदपाल लकड़ा	58

डोंगपानी मराठवा

- १ प्रमुदयान मिंज पुन्यास २० पैला धान
- २ यानुल मिंज " ६ पैला धान
- ३ घोडन खलसो " ४१० " १२००
- ४ जकरिया तिरकी १००
- ५ वरनावास खलसो " १००
- ६ जुनाफ तिरकी ६ " १००
- ७ वरनावास तिरकी ४ " १००
- ८ जुनास सेसा १००

९ सनलेव तिरकी

१० पौलुस खलसो

११ लयकनवियुस तिरकी

१२ वरना मीन जुगु

१३ जुनास टोप्या

१४ जुनास मिंज

१५ ईमानवेन मिंज

१६ जुनाफ मिंज

१२ " १००

१३ " १००

१४ " १००

१५ " १००

१६ " १००

१७ " १००

१८ " १००

१९ " १००

२० " १००

४ " "

६६-५५९ गण

विमोचियुस मेस

कुनायन मिज

विमोचियुस मेस

गण

गण

गण- धी- ३३- मो- को- पातो मरुत

गण- धी- ३३- मो- को- पातो मरुत

गण- धी- ३३- मो- को- पातो मरुत

गण- धी- ३३- मो- को- पातो मरुत

गण- धी- ३३- मो- को- पातो मरुत

गण- धी- ३३- मो- को- पातो मरुत

गण- धी- ३३- मो- को- पातो मरुत

गण- धी- ३३- मो- को- पातो मरुत

गण- धी- ३३- मो- को- पातो मरुत

गण- धी- ३३- मो- को- पातो मरुत

गण- धी- ३३- मो- को- पातो मरुत

गण- धी- ३३- मो- को- पातो मरुत

गण- धी- ३३- मो- को- पातो मरुत

गण- धी- ३३- मो- को- पातो मरुत

गण- धी- ३३- मो- को- पातो मरुत

गण- धी- ३३- मो- को- पातो मरुत

गण- धी- ३३- मो- को- पातो मरुत

સવાં, ૧૨, ૮-૩૩

મહાત્મા ગાંધી

૧ માલિય ટોપો

૧૦ પોલાંગી નાનાવડ

૨ મનસિદ્ધ સમદ-

૧૧ માના

૨ પતરસા કિલ્લો ૨૫૫ નિખારાર નિ-૧૨૦ મેર-૧૦૫૮

પતરસા કિલ્લો

૪ લાકડા ને ટોપો ૧૦૫૮ - ૧૦૫૮ - ૧૦૫૮

૫૦૫૮

૫ પ્રમુલકાય બુજુર ૧૦૫૮ - ૧૦૫૮ - ૧૦૫૮

૫૦૫૮ પ્રમુલકાય-

૬ સિસ્તો જિવ-૨૫૫૮ - ૧૦૫૮ - ૧૦૫૮

૫૦૫૮

૭ સવાં ને નેરમેટા-૧૦૫૮ - ૧૦૫૮ - ૧૦૫૮

૫૦૫૮

૮ પ્રોતમમસા ૧૦૫૮ - ૧૦૫૮ - ૧૦૫૮

૫૦૫૮

૯ યુસા ૧૦૫૮ - ૧૦૫૮ - ૧૦૫૮

૧૦૫૮

૧૦ લોખાસ-બુજુર-

૫૦૫૮

૫૦૫૮

૧૧ બુના મસલારો

૫૦૫૮

૫૦૫૮

૧૨ બુના વિકો

૫૦૫૮

૫૦૫૮

૧૩ વસટાક-બુજુર

૫૦૫૮

૫૦૫૮

૧૪ લોડો તોરકો

૫૦૫૮

૫૦૫૮

૧૫ બકરિયા-બાન્ડ

૫૦૫૮

૫૦૫૮

૧૬ ગાવરટામ-લકેડા-

૫૦૫૮

૧૭ રોપના-પતરસ-લકેડા-

૧૮ બુવાંસે નેરમેટા-

૧૯ માટન મિંજ.

२०५ विवास-निन्दा

२१ मलाह चपा दको।

२२ मनमसह दोषो

महेश्वरिणी विपुस-दोषो

२४ मनीस-दोषो,

२०५५५५

१॥ गुमान-दोषो १

॥॥ मेर-दोषो २

॥॥ ३॥ ३॥ ३॥

२॥ २॥ २॥

२॥ २॥ २॥

२॥ २॥ २॥

२॥ २॥ २॥

२॥ २॥ २॥

२॥ २॥ २॥

२॥ २॥ २॥

२॥ २॥ २॥

२॥ २॥ २॥

२॥ २॥ २॥

२॥ २॥ २॥

२॥ २॥ २॥

२॥ २॥ २॥

२॥ २॥ २॥

२॥ २॥ २॥

२॥ २॥ २॥

२॥ २॥ २॥

Gariajor.

- १ धर्मदास मिंज ११
- (२) मकरिया मिंज ११
- ३ पतरस बड़ा ११
- ४ मौलुस बड़ा ११
- ५ रिबुस्तपारा किंडो ११
- ६ मसीहकास मिंज ५४ सेर
- ७ इलियाजर मिंज ५४ सेर
- ८ मोहन राडुगुज ५४ सेर

(९) मसीहो जिहिस स्वस्व ५४ सेर

१० विमल विरवार ५४ सेर

११ रिबुस्तोचि मिंज ५४ सेर

१२ मिंवा एल तिगा ५४ सेर

१३ फिलीपोस कुगुर ५४ सेर

१४ सुना बवेस ५४ सेर

१५ मनीषा ५४ सेर

१६ गुरुमदार वंश ५४ सेर

१७ धनमसीह ५४ सेर

१८ धनमसीह मिंज ११

मसीहो मिंज

मसीहो मिंज

मसीहो मिंज

मसीहो मिंज

मसीहो मिंज

मसीहो मिंज

मसीहो मिंज

मसीहो मिंज

मसीहो मिंज

मसीहो मिंज

मसीहो मिंज

मसीहो मिंज

मसीहो मिंज

मसीहो मिंज

मसीहो मिंज

- 20 घुनासमिन् १५
 21 सिमोन ५५ सेर सिमोन
 22. Khalkhalkho No. 181.
 23 Butha Khalkhho 5 Ser.
 24 Chhiki (Sewai) Gariyar 18/4-0

भा. १३-८-३३. को समीसन गडियाजोर
 में आया और इलाका पंच में उसे कैसला
 समीन के ज्वानत को हुआ, मराठों को सभभराते
 हुए उन्का राय पुछा। मराठों बहुत उसीसे
 इलाका पंच में कैसला मंजूर कि और अपने
 शक्ति गर दान देने को साथ करने को
 मंजूर कर को ।

Rev. J. H. Lewis

गौसम लकडा १३-८-३३
 Daring 18/8/33

The pupils are responsible for the DISCIPLINE
and REPUTATION of the School.

1. Be always tidy and clean; work patiently and methodically.
2. Put your books on your desk properly.
3. Do not handle maps or any school property roughly.
4. Never spit upon the walls or the floor.
5. Walk softly ; speak gently.
6. Go to your class with the warning bell. Always sit upright.
7. Do not cut school furniture or write upon them or on the school walls.
8. Always keep to your left.
9. Be good to yourself and try to make others good.
10. Be punctual ; be polite.
11. Try to take some refreshments during midday interval.
12. Never run to school after meals.
13. Treat lower class boys with love and higher class boys with respect.
14. Cultivate good manners.
15. Take some physical exercise every day.
16. Obey your parents and superiors, and make yourself loved by all.